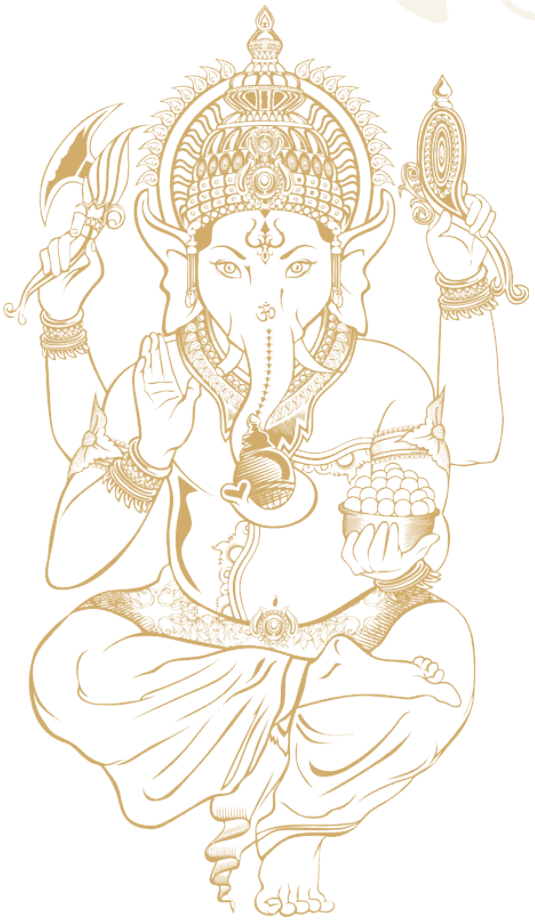

Mr.saiyam khailani

Ms.nirali

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119203504

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
01/11/1995	जन्म तिथि	14/03/1997
बुधवार	दिन	शुक्रवार
घंटे 10:30:00	जन्म समय	21:45:00 घंटे
घटी 09:49:23	जन्म समय(घटी)	37:58:09 घटी
India	देश	India
Bahadurgarh	स्थान	Panipat
28:42:00 उत्तर	अक्षांश	29:24:00 उत्तर
76:54:00 पूर्व	रेखांश	76:58:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:22:24	स्थानिक संस्कार	-00:22:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:34:14	सूर्योदय	06:33:36
17:37:37	सूर्यास्त	18:29:35
23:48:02	चित्रपक्षीय अयनांश	23:49:05

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
मंगल 2वर्ष 8मा 19दि	04:32:41	धनु	लग्न	तुला	13:30:55	चन्द्र 6वर्ष 6मा 1दि
गुरु	14:29:48	तुला	सूर्य	मीन	00:18:34	राहु
21/07/2016	01:29:13	कुंभ	चंद्र	वृष	14:39:34	15/09/2010
21/07/2032	14:22:34	वृश्चि	मंगल व	कन्या	03:59:09	15/09/2028
गुरु 08/09/2018	01:04:14	तुला	बुध	मीन	03:12:44	राहु 28/05/2013
शनि 21/03/2021	22:15:27	वृश्चि	गुरु	मक	17:52:22	गुरु 22/10/2015
बुध 27/06/2023	03:26:09	वृश्चि	शुक्र	कुंभ	25:32:16	शनि 28/08/2018
केतु 02/06/2024	24:33:51	कुंभ व	शनि	मीन	14:24:21	बुध 16/03/2021
शुक्र 01/02/2027	02:40:16	तुला	राहु	कन्या	04:56:01	केतु 04/04/2022
सूर्य 20/11/2027	02:40:16	मेष	केतु	मीन	04:56:01	शुक्र 04/04/2025
चन्द्र 21/03/2029	03:00:18	मक	हर्ष	मक	13:27:11	सूर्य 26/02/2026
मंगल 25/02/2030	29:10:38	धनु	नेप	मक	05:30:52	चन्द्र 28/08/2027
राहु 21/07/2032	05:49:52	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	11:46:26	मंगल 15/09/2028

लग्न-चलित

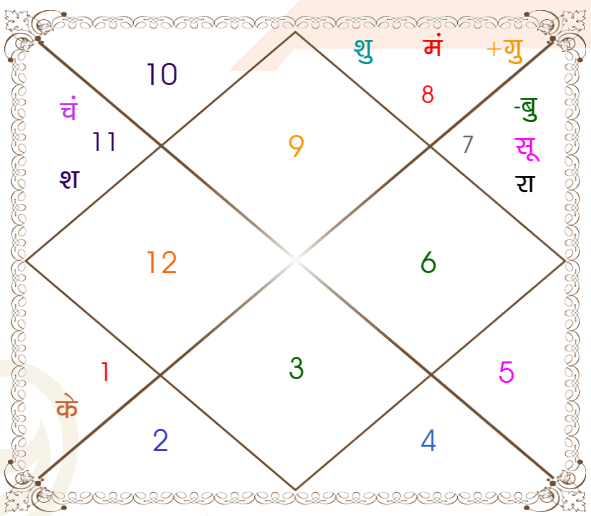

लग्न-चलित

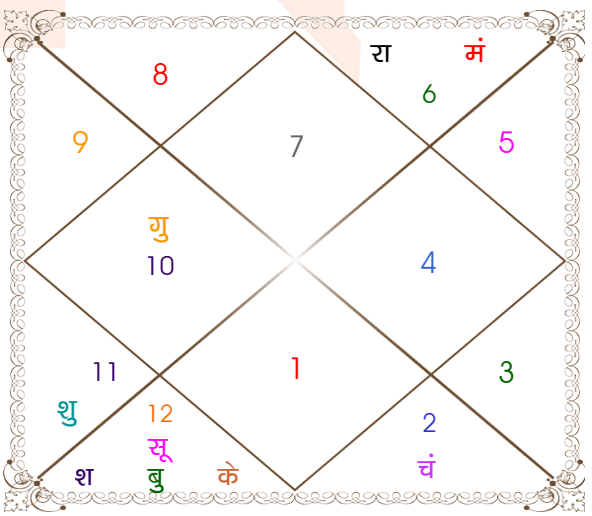

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	वैश्य	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	सम्पत	अतिमित्र	3	3.00	--	भाग्य
योनि	सिंह	सर्प	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	शुक्र	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	मनुष्य	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	कुम्भ	वृष	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	26.00		

गणदोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता है।

Mr.saiyam khailani का वर्ग मार्जार है तथा Ms.nirali का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गो में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr.saiyam khailani और Ms.nirali का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr.saiyam khailani मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Mr.saiyam khailani कि कुण्डली में द्वादश भाव में वृश्चिक राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Mr.saiyam khailani कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं गुरु Mr.saiyam khailani कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Ms.nirali मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Ms.nirali कि कुण्डली में द्वादश भाव में कन्या राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं राहु Ms.nirali कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत्।
तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत्।।

यदि एक की कुंडली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुंडली में प्रबल पाप ग्रह (राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कट जाता है।

क्योंकि राहु Ms.nirali कि कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Ms.nirali कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट

जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Mr.saiyam khailani कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr.saiyam khailani तथा Ms.nirali में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।